शिमला से प्रकाशित

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक समाचार

प्रकाशन का 47 वां वर्ष

ई – पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 47 अंक – 50 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पजींकरण एच. पी./93 /एस एम एल Valid upto 31-12-2023 सोमवार 12 – 19 दिसम्बर 2022 मूल्य पांच रूपए

क्या सुक्खू सरकार किसी साजिश का शिकार हो रही है

मंत्रिमण्डल के गठन और कुछ अन्य फैसलों में हो रही देरी से उठने लगी चर्चा

शिमला/शैल। सुखविंदर सिंह सुक्खू और मुकेश अग्निहोत्री ने ग्यारह दिसम्बर को मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री पदों की शपथ ग्रहण की थी। लेकिन अभी तक यह सरकार मंत्रिमण्डल का गठन नहीं कर पायी है। बल्कि महाधिवक्ता और मुख्यमंत्री कार्यालय में भी नयी नियुक्तियां नहीं हो पायी हैं। यह नियुक्तियां मुख्यमंत्री के पद ग्रहण करने के साथ ही हो जाया करती हैं जो अभी तक नहीं हो पायी हैं। नयी

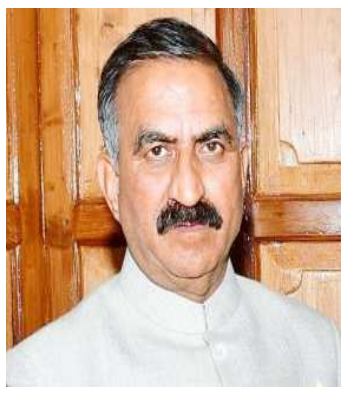

सरकार का अब तक एक ही महत्वपूर्ण फैसला आया है जिसमें पूर्व सरकार द्वारा पिछले छः माह में लिये गये फैसलों को अभी स्थगित करते हुए उनकी समीक्षा किये जाने की बात की है। अभी जो यह कहा गया है कि प्रशासनिक तबादलें इस सरकार की प्राथमिकता नहीं है उसके राजनीतिक संद्धर्भो में कोई बड़े मायने नहीं है क्योंकि प्रशासन में रद्दोबदल के बिना नया संदेश जा ही नहीं पाता है यह एक स्थापित नियम और चलन है। यह भी एक स्थापित नियम है कि जिन फैसलों में जितना लम्बा समय लिया जाता है उनका संदेश भी उतना ही धीमा हो जाता है। यहां यह उल्लेख करना भी आवश्यक हो जाता है कि इस सरकार के विपक्ष में भाजपा है जिसने चुनाव से पहले ही प्रदेश कांग्रेस में सेन्धमारी की सफल शुरुआत कर रखी हैं और स्वभाविक है कि वह सरकार को असफल करने के लिये किसी भी हद तक जाने से पीछे नहीं हटेगी। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और भाजपा अध्यक्ष तथा उनका आईटी प्रकोष्ठ जिस तरह से प्रतिक्रियाएं सरकार को लेकर देने लग गये हैं उससे यह संकेत पूरी स्पष्टता के साथ सामने आ जाते हैं। इन आशंकाओं को समझने के लिए चुनाव से पहले और चुनाव परिणामों के बाद जो कुछ कांग्रेस में घटा है उस पर नजर डालना आवश्यक हो जाता है। चुनाव से पहले कुछ नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गये। आनन्द शर्मा और रामलाल ठाकुर जैसे नेताओं ने चुनाव के दौरान अपनी नाराजगी सार्वजनिक रूप से व्यक्त कर दी। इन सभी के आरोप एक ही तर्ज पर रहे हैं। चुनाव के दौरान यदि कांग्रेस कार्यालय को स्व.वीरभद्र सिंह के कुछ विश्वसतों ने न संभाला होता तो तभी यह कार्यालय शायद बिखर जाता। क्योंकि कुछ बड़े नेताओं के अहम तभी टकराव पर आ गये थे। इस टकराव से ही स्पष्ट हो गया था कि मुख्यमंत्री के चयन में किसी एक नाम पर आसानी से सहमति नहीं बन पायेगी। नेता के लिये प्रतिभा सिंह, सुखविंदर सुक्खू और मुकेश अग्निहोत्री की दावेदारी सामने आ गयी। सभी के समर्थकों की संख्या भी शायद बराबर बराबर रही है। बल्कि इनके अतिरिक्त कांगड़ा से

चन्द्र कुमार का नाम भी चर्चा में रहा है कांग्रेस विधायकों की बैठक के बाद यह सामने आया कि सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री तथा मुकेश अग्निहोत्री और विक्रमादित्य सिंह दो उप मुख्यमंत्री होंगे। इस आश्य के समाचार सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित हुये। लेकिन शपथ ग्रहण में विक्रमादित्य सिंह का नाम गायब हो गया। नाम के आने और फिर गायब होने को लेकर पार्टी या पर्यवेक्षकों का कोई अधिकारिक बयान तक नहीं आया। इस दौरान जब राज्यपाल से पहली बार भेंट के लिये कांग्रेस नेता गये उसने प्रतिभा सिंह शामिल नहीं थी। इस पर उनकी प्रतिक्रिया भी सोशल मीडिया में आ गयी थी। इसके बाद विक्रमादित्य सिंह का परिवारिक मामला जिस तरह से समाचारों का विषय बना उससे भी कोई अच्छा संदेश नहीं गया। क्योंकि इस प्रकरण का पूरा अर्थ और सद्धर्भ ही बदल दिया गया। इसमें राजनीति की गंध पूरी स्पष्टता से सामने आ गयी है। इसी राजनीति के कारण मंत्रीमण्डल का गठन नहीं हो पा रहा है। यह एक स्वभाविक सत्य है कि जिन फैसलों में वक्त लम्बा होता जाता है उनमें उलझने बढ़ती चली जाती है। प्रशासनिक स्तर पर भी फेरबदल में समय लम्बा होता जा रहा है। पिछली सरकार द्वारा पिछले छः माह में लिये गये फैसलों के अमल पर जब रोक लगाई गयी तो यह सामने आया कि इन फैसलों के लिए वांच्छित प्रशासनिक और वित्तीय अनुमतियां नहीं ली गयी थी बल्कि बजट ही नहीं होने की बात भी सामने आयी। स्वभाविक है कि जब यह फैसले लिए गये थे तब यही प्रशासन और वित्त विभाग था। तब यह कभी सामने नहीं आया कि इस प्रशासन ने किसी फैसले का लिखित में विरोध किया हो। आज जब उसी

प्रशासन से उसी के फैसले पर रोक लगायी जा रही है तब उस प्रशासन को लेकर क्या धारणा बनती है? यही प्रशासन नयी सरकार के सामने

शेष पृष्ठ 8 पर.....

संस्थान बंद करने के फैसलों को जयराम ठाकुर उच्च न्यायालय में देंगे चुनौती

शीर्ष प्रशासन की निष्ठाओं और ईमानदारी पर उठेंगे सवाल

शिमला/शैल। कांग्रेस ने चुनावों में वायदा किया था कि वह

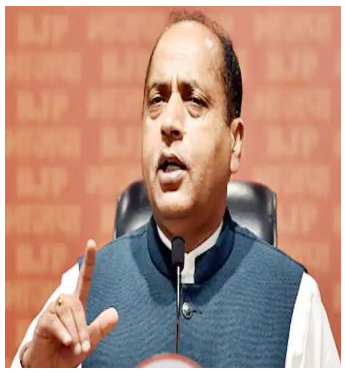

जयराम द्वारा पिछले छः माह में लिये गये फैसलों की समीक्षा करेगी। सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विधायकों की एक कमेटी बनाकर इन फैसलों की समीक्षा करवाई। इस समीक्षा में विभागों से ऐसे फैसलों की सूची लेकर प्रशासनिक सचिवों और वित्त विभाग से जानकारी ली गयी जो फैसले प्रशासनिक अनुमति और बजट प्रावधानों के बिना लिये गये थे। उन्हें अन्ततः रद्द करने का फैसला लिया गया। इस सैद्धान्ति फैसले के बाद बिना प्रावधानों के खोले गये कार्यालयों/ संस्थानों को बन्द करने के आदेश जारी किये गये हैं। इनमें बिजली बोर्ड और लोक निर्माण तथा शिक्षा विभाग प्रभावित हुए हैं। सुक्खू सरकार के इन फैसलों को बदले की भावना से की गई कारवाई करार देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इन फैसलों को प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। जयराम ठाकुर ने यह भी कहा है कि इन फैसलों के लिये सभी वांछित अनुमति ली गयी है। जय राम ठाकुर के इस ब्यान

शेष पृष्ठ 8 पर.....

राज्यपाल ने नौणी विश्वविद्यालय में हिमालयी सतत विकास पर मेगा मीट का उद्घाटन किया

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने हिमालयी राज्यों की समस्याओं के समाधान के लिए हिमालयी ग्रिड बनाने की आवश्यकता

पर बल दिया है।

डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन में आयोजित तीन दिवसीय हिम-संवाद -'ट्रांस हिमायलयन कान्फ्रेंस ऑन लोकलाइज़्ड सोल्यूशन एंड इंप्लीमेंटेशन स्ट्रेटेजी' के उद्घाटन अवसर पर राज्यपाल ने यह बात कही।

इस कार्यक्रम का आयोजन नौणी विश्वविद्यालय, सेवा इंटरनेशनल, प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना एवं इंडियन इकोलॉजिकल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हिमालयी क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं जिन्हें सभी के सहयोग से हल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार तटीय क्षेत्रों के लिए कोस्टल गार्ड ग्रिड बनाया गया है, उसी तर्ज पर हिमालयन ग्रिड पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले को उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि हिम-संवाद एक प्रभावी मंच है जो इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

आर्लेकर ने कहा कि इस प्रकार के प्रभावी मंचों से हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का समाधान निकाला जा सकता है। उन्होंने इस दिशा में सेवा इंटरनेशनल के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति कई समस्याओं का समाधान कर सकती है, लेकिन इसके लिए हमें अपने दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अमृत काल के 25 वर्षों के पश्चात भारत विश्व गुरु बनेगा और हम इस दिशा में तेजी से अग्रसर हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के युवा इसे संभव बना सकते हैं। हमें इस विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा कि 25 साल बाद भारत 'सोने का शेर' बनेगा।

औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेश्वर सिंह चंदेल ने राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल को सम्मानित करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में उद्योग आधारित कृषि से प्रा तिक खेती में परिवर्तन ने हिमालयी कृषक समुदायों के आजीविका संसाधनों को सुदृढ़ करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि यह पद्धति पूरे पारिस्थितिकी तंत्र, जल, मृदा, जैव विविधता को पोषित करती है और हिमालयी क्षेत्र में समस्त कृषक समुदाय के हितों की रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि सभी सत्रों में प्राकृतिक खेती एक प्रमुख विषय रहेगा। उन्होंने हिम-संवाद के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि यह मंच हिमालयी क्षेत्रों को एकीकृत करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्याम पराडे ने कहा कि हिमालय से निकलने वाली नदियां पूरे देश को सिंचित करती हैं और इस क्षेत्र के विचारों ने भी पूरे विश्व को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या का भरण-पोषण करता है और इसलिए हम समग्र विश्व के बारे में सोचते हैं। हमारे देश ने पूरे विश्व को योग और आयुर्वेद का ज्ञान प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि भारत एक समृद्ध संस्कृति और संस्कारों का देश है। भारत ने पूरे विश्व को निःस्वार्थ भाव से शांति का रास्ता दिखाया है।

कार्यक्रम के विशेष अतिथि पद्मश्री कंवल सिंह चौहान ने कहा कि प्राकृतिक खेती हिमालयी क्षेत्र के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कृषक समुदाय से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने रसायन मुक्त पारंपरिक बीजों का संरक्षण करना चाहिए। उन्होंने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व को भी रेखांकित किया और लोगों से हिमालयी क्षेत्र में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का आहवान भी किया।

सेवा इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक अभिषेक ने इस अवसर पर कहा कि हिमालय जीवन रेखा है और हमारे अस्तित्व के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हिम संवाद एक ऐसा मंच है जो हिमालयी क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के विस्तार निदेशक डॉ. इंद्र देव ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उपायुक्त सोलन कृतिका कुल्हारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रदेश पुलिस को बधाई दी

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) को लागू करने में प्रथम स्थान हासिल करने और आईसीजेएस (इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) के क्रियान्वयन में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए राज्य पुलिस को बधाई दी।

पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने नई दिल्ली में राज्यपाल से भेंट की

और उन्हें राज्य द्वारा जीते गए पुरस्कारों से अवगत कराया। राज्यपाल ने कहा कि सीसीटीएनएस पुलिस की कार्यप्रणाली की रीढ़ है और अपराध नियंत्रण के लिए आवश्यक है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से किया संवाद

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शिमला के समीप राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बियोलिया का दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद किया।

राज्यपाल ने उन्हें अच्छी आदतें अपनाने और ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ने की शिक्षा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को किताबों का अध्ययन करने तथा ज्ञान अर्जित कर उसे दूसरों के साथ साझा करने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें उनकी सच्ची मित्र होती हैं, जो उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

उन्होंने कहा कि हमें पुस्तकों से देश और दुनिया के बारे में सभी तरह की जानकारी मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को महान हस्तियों की जीवनी पढ़कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने को कहा। उन्होंने कहा कि पुस्तकें पढ़ने से हमें और अधिक पुस्तकें पढ़ने की रुचि जागृत होती है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन पर आधारित पुस्तकें भी भेंट की और उन्हें पढ़ने के उपरांत पत्रों के माध्यम से अपने अनुभव उनके साथ साझा करने को कहा। इसके उपरांत, राज्यपाल ने शिक्षकों के साथ बैठक की और उन्हें बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का दायित्व है कि छात्रों को पाठ्य पुस्तकों के अलावा अन्य पुस्तकें भी उपलब्ध करवाएं ताकि उनमें पढ़ने की भावना विकसित हो।

इस अवसर पर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बियोलिया की प्रधानाचार्य निशा भलूनी ने राज्यपाल का स्वागत किया तथा विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया।

पुस्तकें ज्ञान और सृजन का आधारः राज्यपाल

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नई दिल्ली में

करुणा फांउडेशन एवं संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन्द्रप्रस्थ साहित्य महोत्सव की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान और सृजन का आधार हैं। यह देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ- साथ कला व साहित्य को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करने का आहवान करते हुए कहा कि अच्छी पुस्तकें पढ़ने से न केवल ज्ञानार्जन होता है बल्कि पाठक में सकारात्मक सोच और दृष्टिकोण भी विकसित होता है।

उन्होंने कहा कि साहित्य जीवन की एक अटूट कड़ी है और भारत ने हजारों वर्षों में इसे सहेजा एवं संवारा है। साहित्य एवं अन्य विधाओं का संवर्द्धन कर हमने पूरे विश्व के समक्ष अपनी इस ज्ञान परम्परा को रखने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ सृजनात्मक क्षमता भी प्रदर्शित होती है। वर्तमान में अच्छी किताबों के प्रकाशन के साथ-साथ पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की रूचि पैदा करने की नितांत आवश्यकता है।

राज्यपाल ने इन्द्रप्रस्थ साहित्य महोत्सव के आयोजन के लिए करुणा फांउडेशन के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर करुणा फांउडेशन के सदस्य और अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के लिए ट्रायल

शिमला/शैल। युवा सेवा एवं खेल विभाग के निदेशक राजेश शर्मा ने बताया कि विभाग द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2022 के लिए टीमों के चयन के लिए ट्रायल लूहणू खेल परिसर बिलासपुर में करवाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि लड़कियों की कबड्डी टीम के चयन के लिए ट्रायल 19 दिसंबर, 2022 को प्रातः 10 बजे तथा लड़कों की बॉलीवाल टीम के चयन के लिए ट्रायल 20 दिसंबर, 2022 को प्रातः 10 बजे से आरंभ होंगे।

इन स्पर्धाओं के लिए वही खिलाड़ी पात्र होंगे जिनका जन्म एक जनवरी, 2004 के उपरांत हुआ है। इसके लिए आयु प्रमाण पत्र, दसवीं का प्रमाण पत्र और कम से कम पांच वर्ष पहले नगर निगम या ग्राम पंचायत द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र में से कोई दो प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं।

उन्होंने कहा कि इच्छुक खिलाड़ी अपने शैक्षणिक, आयु प्रमाण एवं खेल उपलब्धियों के मूल प्रमाण पत्रों का एक सैट सत्यापित, फोटो कॉपी तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो सहित लूहणू खेल परिसर बिलासपुर को रिपोर्ट करें।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2022 का आयोजन 31 जनवरी से 11 फरवरी, 2023 तक मध्य प्रदेश में किया जाएगा।

शैल समाचार
संपादक मण्डल
संपादक- बलदेव शर्मा
सयुक्त संपादक:जे.पी.भारद्वाज
विधि सलाहकार: ऋचा
अन्य सहयोगी
राजेश ठाकुर
अंजना

19 से 25 दिसम्बर तक मनाया जाएगा दूसरा सुशासन सप्ताह

शिमला/शैल। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 19 से 25 दिसम्बर, 2022 के मध्य दूसरा सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य केन्द्र और राज्य सरकार के सभी विभागों एवं जिलों की सक्रिय भागीदारी और समन्वय के साथ लंबित जन शिकायतों का निवारण एवं लोक सेवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। इस सुशासन सप्ताह के दौरान नागरिक अपनी शिकायतों को समग्र ई-समाधान पोर्टल पर अपलोड कर सकते हैं तथा अपेक्षित / लंबित लोक सेवाओं को डिजिटल अथवा व्यक्तिगत रूप में प्राप्त कर सकेंगे।

इस दौरान सभी नामित प्राधिकारी अथवा सेवा प्रदाता प्राप्त शिकायतों का निवारण एवं लोक सेवाओं का वितरण सुनिश्चित करेंगे।

कांग्रेस सरकार लोगों को बेहतर सेवा और शासन देने का पूरा प्रयास करेगी:मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और सभी नव-निर्वाचित विधायकों के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे से भेंट की। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं हिमाचल प्रदेश के प्रभारी राजीव शुक्ला भी उपस्थित थे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्यमंत्री और सभी कांग्रेस विधायकों को विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज करने और राज्य में कांग्रेस को सत्तासीन होने पर बधाई दी। उन्होंने प्रतिभा सिंह, सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुकेश अग्निहोत्री और सभी पार्टी नेताओं की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने राजीव शुक्ला को चुनाव अभियान की निगरानी करने के लिए बधाई दी। उन्होंने पार्टी के सभी नेताओं से एकजुट होकर राज्य के लोगों के लिए काम करने और घोषणा-पत्र में किए गए सभी वायदों को अक्षरश: लागू करने के लिए कहा ताकि गरीब से गरीब व्यक्ति विकास कार्यों से लाभान्वित हो सके।

उन्होंने राष्ट्र के विकास के एजेंडे को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के दृष्टिकोण के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

राजीव शुक्ला ने सभी विधायकों का स्वागत करते हुए राज्य में कांग्रेस की सत्ता वापसी पर बधाई दी। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को उनके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए राज्य सरकार मजबूती और स्थिरता से कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने पार्टी नेतृत्व को उनके मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया जिसके फलस्वरूप चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा कि चुनाव जन कल्याण से संबंधित मुद्दों पर लड़े जाते हैं और कांग्रेस की विचारधारा का मुख्य केंद्र बिंदु जन कल्याण ही है। उन्होंने कहा कि सभी पार्टी नेताओं ने कड़ी मेहनत की और जन कल्याण की विचारधारा को जमीनी स्तर तक लोगों के बीच पहुंचाया।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार किए गए वायदों को पूरा कर लोगों को बेहतर सेवा और शासन देने का पूरा प्रयास करेगी।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं और केंद्रीय पार्टी नेतृत्व का पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को पूरे चुनावी अभियान में सहयोग प्रदान करने तथा उचित मार्गदर्शन कर जीत सुनिश्चित करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब नई सरकार प्रदेश की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने सभी विधायकों को उनकी जीत पर बधाई दी और विशेष तौर पर सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और राजीव शुक्ला का धन्यवाद किया जिन्होंने राज्य में कांग्रेस की जीत को संभव बनाया। उन्होंने कहा कि पार्टी के हर कार्यकर्ता ने प्रदेश में कांग्रेस की जीत के लिए कड़ी मेहनत की और यह गर्व की बात है कि पार्टी ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा।

इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं हिमाचल प्रदेश के सह प्रभारी संजय दत्त, एआईसीसी के सचिव और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे।

इसके उपरांत, मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने में सहयोग और मार्गदर्शन के लिए महासचिव प्रियंका गांधी और सांसद के.सी. वेणुगोपाल का भी आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री,उप-मुख्यमंत्री एवं विधायकगण राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने उप-मुख्यमंत्री

मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह तथा कांग्रेस विधायकों के साथ राजस्थान के दौसा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया।

भारत जोड़ो यात्रा अपने 100 दिन पूरे कर चुकी है। 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हुई यह यात्रा आठ राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और अब राजस्थान से होकर जारी है।

परिवहन क्षेत्र में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा रहा हिमाचल प्रदेश:उप-मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में नवोन्वेषी विचारों के साथ नई इलैक्ट्रिक वाहन

नीति लागू की जा रही है और राज्य सरकार परिवहन क्षेत्र में सुधार की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

उप-मुख्यमंत्री ने इलैक्ट्रिक वाहन की टैस्ट ड्राइव के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सचिवालय से कुछ दूरी तक इलैक्ट्रिक वाहन में सवारी कर इसके तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी प्राप्त की।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश में परिवहन क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। नई इलैक्ट्रिक वाहन नीति लागू करने के लिए विभिन्न स्तरों पर चर्चा की जा रही है। शुरुआती स्तर पर सचिवालय में इलैक्ट्रिक वाहनों के परिचालन को बढ़ावा दिया जाएगा और इसके उपरांत सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में भी विद्युत चालित वाहनों का उपयोग बढ़ाया जाएगा।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग में अति शीघ्र इलैक्ट्रिक वाहनों का बेड़ा शामिल किया जाएगा और इसके लिए निदेशक परिवहन को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। इसके लिए विभिन्न कंपनियों से संपर्क कर इन विद्युत चालित वाहनों की टैस्ट ड्राइव सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी प्राप्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार के समय भी मुख्यमंत्री के लिए एक विद्युत चालित वाहन प्रदान किया गया था। हालांकि इसे बाद में सामान्य प्रशासन को सौंप दिया गया था।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि इलैक्ट्रिक वाहन नीति के बारे में मुख्यमंत्री से चर्चा के उपरांत मंत्रिमंडल में इस मामले को रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार से भी बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा कि पहाड़ी प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं इस पर्यटन राज्य में इलैक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इलैक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर चर्चा उपरांत शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इलैक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए भी उपयुक्त कदम उठाते हुए उचित मापदंडों के अनुसार चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। शुरुआती चरण में सचिवालय सहित प्रदेश के विभिन्न सरकारी संस्थानों तथा प्रदेश से बाहर हिमाचल सदन एवं भवनों इत्यादि में भी यह सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि वाहनों की लाईसेंस प्रणाली को सुदृढ़ करते हुए नए ड्राइविंग टैस्ट ट्रैक स्थापित करने की दिशा में भी उचित कदम उठाए जाएंगे ताकि सड़क सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इस बारे में अधिकारियों को अध्ययन करने को कहा गया है।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम में शून्य बुक वैल्यू के वाहनों को चरणबद्ध ढंग से विद्युत चालित वाहनों से बदला जाएगा। नई इलैक्ट्रिक वाहन नीति में इलैक्ट्रिक बसें भी निगम के बेड़े में शामिल की जाएंगी।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने गत दिवस परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक बुलाई थी जिसमें हिमाचल पथ परिवहन निगम को भारी भरकम घाटे की बात सामने आयी है। इस घाटे को कम करने में इलैक्ट्रिक वाहन नीति सार्थक सिद्ध होगी। इससे परिवहन निगम पर प्रतिदिन पड़ने वाले लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के व्यय में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास रहेगा कि शुरुआती चरण में हिमाचल पथ परिवहन निगम के घाटे को कम करते हुए इसे कम से कम नो प्रोफिट नो लॉस की स्थिति तक लाया जाए।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि परिवहन निगम के वॉल्वो बसों के बेड़े को भी सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निगम से बाहर लगभग 125 वॉल्वो वाहन प्रतिदिन चल रहे हैं। परिवहन विभाग को इन वाहनों के पंजीकरण से लेकर इनके संचालन की प्रक्रिया के बारे में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर प्रधान सचिव परिवहन आर.डी. नज़ीम, निदेशक परिवहन अनुपम कश्यप सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस को बधाई दी

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पहाड़ी राज्यों

में क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) को लागू करने में प्रथम स्थान हासिल करने और आईसीजेएस (इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) के क्रियान्वयन में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए राज्य पुलिस को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए जन मित्र पुलिस की आवश्यकता है।

हिमाचल ने लगातार तीसरे वर्ष प्रतिष्ठित सीसीटीएनएस पुरस्कार जीता है। पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू ने दिल्ली में मुख्यमंत्री से भेंट की और उन्हें राज्य द्वारा जीते गए पुरस्कारों से अवगत करवाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा, रेरा प्रमुख डॉ. श्रीकांत बाल्दी, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) प्रबोध सक्सेना, डी.आई.जी. डी.के. चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कृषि विभाग का डी.बी.टी. पोर्टल 17 दिसम्बर, 2022 से शुरू हो जाएगा

शिमला/शैल। कृषि विभाग का डी.बी.टी. पोर्टल 17 दिसम्बर, 2022 से शुरू हो जाएगा

कृषि विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्ष 2022-23 में केन्द्रीय प्रायोजित योजना कृषि अभियान्त्रिकी उप मिशन के अन्तर्गत ट्रैक्टर, पावर टिलर, पावर वीडर रोटावेटर, क्राप रीपर, पोटेटो प्लांटर, मोल्ड बोल्ड प्लौ, लेज़र लैंड लैवलर, सुपर सीडर, मल्टी क्राप थ्रेशर इत्यादि उपदान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डी.बी.टी. पोर्टल ¨grimachinery.nic.in) के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता से उपलब्ध करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रार्थी इस माध्यम से ही उपदान हेतु आवेदन कर सकता है। यह पूर्णतया पहले आओ पहले पाओ के आधार पर रहेगा। इससे पहले जो भी आवेदन कृषि विभाग में दिए गए हैं उन्हें रद्द समझा जाए। इस वर्ष के आवेदन केवल इसी वर्ष के लिए वैध होंगे। मशीनरी का आबंटन बजट की उपलब्धता व वरिष्ठता के अनुसार ही किया जाएगाा। यह पोर्टल दिनांक 17 दिसम्बर, 2022 से सक्रिय हो जाएगा।

विश्वास को हमेशा तर्क से तोलना चाहिए। जब विश्वास अँधा हो जाता है तो मर जाता है।

.....महात्मा गांधी

सम्पादकीय

गारंटीयों की गारंटी पर अभी से उठने लगे सवाल

प्रदेश कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में अपना एजेंडा जनता के सामने रखते हुये दस गारंटियां जारी की थी। यह कहा था कि यदि वह जीत जाती है तो सत्ता में आने पर प्रदेश की जनता के लिये यह उसकी कार्ययोजना होगी। कांग्रेस की यह गारंटियां सत्तारूढ़ भाजपा के दृष्टि पत्र पर भारी पड़ी। जनता ने कांग्रेस के वायदों पर विश्वास किया क्योंकि कुछ गारंटियों को लेकर यह कहा गया था कि उन्हें मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में लागू कर दिया जायेगा। इन वायदों के परिणाम स्वरूप कांग्रेस को बहुमत मिल गया और उसकी सरकार बन गयी। अब सरकार बनने पर जनता इन गारंटीयों पर अमल किये जाने की प्रतीक्षा करने लग गयी है। अभी मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का एक टीवी चैनल पर साक्षात्कार सामने आया है। इसमें मुख्यमंत्री ने यह कहा है कि सरकार पांच वर्षो के लिये आयी है और यह गारंटीयां भी पांच वर्षो में पूरी की जायेगी। जब संसाधन बढ़ जायेंगे तो महिलाओं को पंद्रह सौ रूपये प्रति माह भी दिया जायेगा। यह सही है कि सरकार पांच वर्षो के लिये आयी है और यह एजेंडा भी पांच वर्षो में ही लागू किया जाना है। लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान तो ऐसा नहीं कहा गया था। इसलिये कुछ गारंटीयों पर अभी से जनता में चर्चाएं उठना शुरू हो गयी है। अभी 2023 के शुरू में ही नगर निगम शिमला के चुनाव आ जायेंगे। इन चुनावों का संदेश पूरे प्रदेश में जाता है। इनके बाद 2024 में लोकसभा के लिये चुनाव होंगे और भाजपा यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ेगी। इन चुनावों में गारंटियों की पूर्ति में उठाये गये व्यवहारिक कदमों की बड़ी भूमिका रहेगी यह स्वभाविक है।

गारंटीयों को पूरा करने के लिये निश्चित रूप से धन की आवश्यकता रहेगी। इस समय निवर्तमान जयराम सरकार पर सबसे बड़ा आरोप ही प्रदेश को कर्ज के चक्रव्यूह में उलझाने का लगा है। केंद्र सरकार से जीएसटी की प्रतिपूर्ति मिलना जून से पूरी तरह बंद हो चुकी है। अटल ग्रामीण सड़क योजना भी केंद्र बंद कर चुका है और इस योजना की दो सौ सड़कें अधर में लटकी हुई हैं। यही नहीं केंद्र तो राजस्व घाटा अनुदान भी बंद कर चुका है। जयराम सरकार इन तथ्यों पर न तो मोदी सरकार के सामने मुंह खोल पायी और न ही प्रदेश की जनता को इसकी जानकारी दे पायी। प्रशासन कर्ज लेकर काम चलाता रहा है। इस वस्तु स्थिति में यह एक बड़ा गंभीर प्रश्न होगा कि सरकार इससे कैसे बाहर निकल पाती हैं। यह सुक्खू सरकार के सामने ही आ चुका है कि बहुत सारे फैसले बिना बजट प्रावधानों के केवल चुनाव के दृष्टिकोण से ही लिये गये थे और प्रशासन इसमें पूरी तरह सरकार के साथ था। मीडिया तक भी आर्थिक प्रश्नों पर चुप रहा है।

जब इस तरह की आर्थिक स्थितियां बन जाती हैं की कर्ज की किश्त चुकाने के लिए भी कर्ज लेना पड़े तो इसमें सबसे अधिक बढ़ता है भ्रष्टाचार। भ्रष्टाचार का आलम यह रहा है कि प्रशासन ने इसमें सबसे पहले राजनेताओं को हिस्सेदार बनाया और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों की आवाज को कुचलने के लिये हर तरह का दमन किया। आज सुक्खू सरकार को आर्थिक अनुशासन लाने के लिए भ्रष्टाचारियों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाने होंगे। यह दोनों काम यदि एक साथ शुरू न हो पाये तो सरकार को आगे बढ़ना कठिन हो जायेगा। इस सरकार के लिये यह संभव नहीं होगा कि जयराम की तरह चुनावी वर्ष के अंतिम छः माह में ही फैसले लिये जायें। क्योंकि कांग्रेस के अंदर पहले दिन से ही गुटबाजी सामने आ चुकी है और भाजपा इसे भुनाने के लिये हर हद तक जायेगी। सरकार को यह समझना होगा कि संगठन और सरकार अलग – अलग इकाइयां हैं। सरकार को संगठन की तर्ज पर नहीं चलाया जा सकता। जबकि अभी यह संदेश जा रहा है कि सरकार पर संगठन प्रभावी हो रहा है। ऐसे में गारंटियों की प्रतिपूर्ति के लिये जनता पांचवें वर्ष का इंतजार कर लेगी यह मानकर चलना कठिन होगा यह सही है कि जनता के पास कोई ऐसी ताकत नहीं है कि वह अगले चुनावों से पहले कुछ कर पाये। लेकिन लोकसभा चुनाव उसे अपनी नाराजगी दिखाने का पहला अवसर होगा। जनता की अनदेखी ने ही सबसे बड़ी पार्टी होने का दम भरने वाली भाजपा को घर बिठा दिया है। इसलिये गारंटीयों की गारंटी पर उठने वाले प्रश्नों को अभी से गंभीरता से लेना होगा।

कोयंबटूर धमाके से केवल सरकार और गुप्तचर एजेंसियों को ही नहीं हमें भी सतर्क होना चाहिए

गौतम चौधरी

इन दिनों दक्षिण भारत इस्लामिक चरमपंथियों की जद में है। इसका जीता जागता उदाहरण तमिलनाडु का कोयम्बटूर विस्फोट है। इसी वर्ष दिवाली के ठीक एक दिन पहले कोयम्बटूर के एक संवेदनशील इलाके में बम विस्फोट की घटना हुई। दरअसल, यह विस्फोट कोयम्बटूर के संवेदनशील, उक्कड़म कोटई ईश्वरन मंदिर के सामने हुआ था। यह इलाका अति संवेदनशील माना जाता है। यहां दो समुदायों के बीच तलवारें खिंची होती है। हालांकि इस घटना में एक व्यक्ति की ही मौत हुई लेकिन यह विस्फोट कई मायने में गंभीर है। इस विस्फोट के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और खास कर दक्षिण भारत की सुरक्षा जुड़ी हुई है। इस मामले की जांच पहले तामिलनाडु पुलिस के हवाले थी लेकिन बाद में इसे राष्ट्रीय जांच अभिकरण यानी एनआईए को सौंप दी गयी। प्रथम दृष्टया विस्फोट सामान्य-सा लगा, लेकिन इसके तह को जितना खंगाला गया उतने ही रहस्य सामने आए। मसलन, इसके तार बेहद खतरनाक नेटवर्क के साथ जुड़े हुए हैं। विस्फोट एक कार में हुआ। इस कार को जेमिशा मुबीन नामक व्यक्ति चला रहा था। विस्फोट कार में लगे गैस सिलेंडर में हुआ और कार चलक की मौत हो गयी।

इस घटना में पांच और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसी ने जब पूरे मामले की तहकीकात की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पता चला कि जेमिशा, जो कार चला रहा था और विस्फोट में जिसकी मृत्यु हो गयी उसके घर से देशी बमों में इस्तेमाल होने वाले घटक पोटेशियम नाइट्रेट और अन्य कम तीव्रता वाले विस्फोटक बरामद किए गए। जानकारी में हो कि वर्ष 2019 में जेमिशा को श्रीलंकाई ईस्टर संडे बम धमाकों के सिलसिले में भी एनआईए ने पूछताछ की थी। तब यह भी खबर आयी थी कि जेमिशा का संबंध श्रीलंकाई इस्टर संटे विस्फोट के मास्टरमाइंड जाहरान हाशिम के साथ है। हालांकि वह मामला श्रीलंका का था और उसे भारतीय समाचार माध्यमों ने ज्यादा तवज्जो नहीं दी लेकिन जेमिशा का अंतरराष्ट्रीय इस्लामिक आतंकवाद के साथ संबंध होने के प्रमाण सिद्ध हैं। आने वाले समय में दक्षिण भारत में इस प्रकार की और घटनाएं भी हो सकती है। हालांकि भारत सरकार ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगा दिया है लेकिन उसके नेटवर्क अभी स्लीपर सेल की तरह काम कर रहे हैं।

इस मामले में जांच एजेंसी अपना काम कर रही है और कानून भी अपना काम कर रहा है लेकिन मामले से न केवल सरकार और जांच एजेंसियों को सतर्क रहना चाहिए अपितु आम लोगों को भी गंभीर होना चाहिए। कानून तो अपना काम करेगा और समय आने पर न्याय भी मिलेगा लेकिन इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि उग्रवाद और आतंकवाद के कारण युवाओं को कितना नुकसान होता है। इसके साथ ही जिस परिवार के युवक इस प्रकार की गतिविधि में संलिप्त होते हैं उसको कई प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ता है। मानों उसके उपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा हो। इसलिए हमें जागरूक होना होगा। धार्मिक विद्वानों को उग्रवाद के दुष्परिणामों के बारे में बताना होगा। यहां किसी जाति या पंथ की बात नहीं है। प्रत्येक जाति-पंथ में कटरता पनप सकती है। इससे सावधान रहने की जरूरत है। समुदाय के बुजुर्गो को शांतिपूर्ण जीवन जीने का ज्ञान फैलाना होगा और माता-पिता को अपने बच्चों पर सतर्क निगाह रखनी होगी। उन्हें कट्टरपंथ की भनक लगते ही बच्चों पर नकेल कसने चाहिए। यदि बच्चा हाथ से निकलता नजर आएं तो तुरंत इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को दें। कोई भी धर्म नफरत और हिंसा नहीं सिखाता है। हर धर्म में सांस्कृतिक विविधता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और जीवन के मूल्य पर जोर दिया गया है।

जहां तक इस्लाम की बात है तो यह धर्म विशेष रूप से अपने अनुयायियों को शांति और सद्भाव का संदेश देता है। यह उन्हें एक पवित्र जीवन जीने और मानव जाति के खिलाफ हिंसा में शामिल नहीं होने का आदेश देता है। इस्लाम के धार्मिक ग्रंथों का हवाला देते हुए इस्लामिक धार्मिक विद्वान मोहम्मद आलम साहब कहते हैं कि हमारे यहां साफ तौर पर यह आदेश दिया गया है कि धरती पर ईश्वर ने विविधता पैदा की है और प्रत्येक आस्तिक को सच्चाई तक पहुंचने के लिए उस विविधाता से सीखना चाहिए। इसलिए गलत काम करने वालों से दूरी बनाए रखते हुए मुसलमानों को सतर्क रहना अनिवार्य है। इस्लाम के पैगंबर शांति और सद्भाव के प्रकाशस्तंभ के समान थे।

सरकार को भी विकासात्मक राजनीति को कारगर बनाने और युवाओं को कैरियर निर्माण व नवाचार में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करनी चाहिए। मुस्लिम युवाओं को विशेष रूप से राज्य एजेंसियों के साथ एक स्वस्थ संबंध बनाए रखने और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतिकूल कुछ भी मिलने पर समय पर सूचित करने की आवश्यकता है। उन्हें ऑनलाइन नफरत और गाली-गलौज और नकारात्मक अभियान का संज्ञान लेना चाहिए और अगर वे इससे परेशान और असहज महसूस करते हैं तो इसकी सूचना पुलिस को देनी चाहिए। साथ ही भारतीय न्याय प्रक्रिया का सहारा लेना चाहिए न कि कानून को अपने हाथ में ले लेना चाहिए। हमारे यहां का कानून सबके लिए बराबर है। हम एक लोकतांत्रिक, समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष देश में जीते हैं। जब तक संविधान सुरक्षित है किसी के साथ अन्याय नहीं होगा, इस बात पर हमें भरोसा करना चाहिए। यदि कटरता की सूचना सही समय पर नहीं दिया जाता है और कानून को अपने हाथ में लिया जाता है तो हानि सबकी है।

वित्तीय समावेशन– एक सफरनामा

अजय सेठ
माइकल देववृत पात्र

समाज के कमजोर एवं कम आय वाले वर्गों जैसे बेसहारा तबकों को वित्तीय सेवाओं के साथ-साथ उनको समय पर और किफायती दरों पर पर्याप्त मात्रा में क्रेडिट सुलभ कराने को दुनिया-भर में आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक प्रमुख प्रेरक तत्व माना जाता है। यदि समाज के कमजोर तबकों की पहुंच औपचारिक वित्त तक हो तो इससे रोजगार पैदा करने की गति को बल मिलेगा, आर्थिक आघात लगने की संभावना कम हो सकती है और इससे मानव पूंजी में किए जाने वाले निवेशों में भी इजाफा होगा। संयुक्त राष्ट्र के सत्रह सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से सात लक्ष्यों में वित्तीय समावेशन को एक ऐसे सक्षमता कारक तत्व के रूप में शामिल किया गया है जिसकी बदौलत समाज के गरीब एवं उपेक्षित तबकों के जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है।

वर्ष 2010 में जी-20 के देशों ने वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वैश्विक स्तर पर भागीदारी (जीपीएफआई) की जरूरत पर अपनी सहमति व्यक्त की थी जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन पर आधारित एक संवाद शुरू करना था जिसके केंद्र में वंचित एवं जरूरतमंद लोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हों। वर्ष 2011 में, जी-20 के नेताओं ने विप्रेषण की लागत को कम करने के मुद्दे पर अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की थी। वर्ष 2016 में डिजिटल वित्तीय समावेशन (डीएफआई) के संबंध में कुछ उच्चस्तरीय सिद्धांतों की रचना की गई थी ताकि उनसे मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए सभी देश डिजिटल परिवर्तन के अपने मार्ग पर आगे बढ़ सकें। जीपीएफआई वित्तीय ग्राहक संरक्षण और वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए डिजिटल वित्तीय समावेशन को सुविधाजनक बनाने और लघु और मध्यम उद्यमों को वित्त के विकल्प मुहैया कराने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है।

वित्तीय समावेशन का अभियान प्रत्येक देश में अपनी तरह से सबसे अलग किस्म का रहा है, जिसे उस देश की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुधारों को लागू करने की उसकी संस्थागत क्षमता, वित्तीय बाजारों का विकास, भुगतान के बुनियादी ढांचे, वित्तीय क्षमता और वे सांस्कृतिक मान्यताएं रूपाकार देती हैं जिनसे लोगों का वित्तीय व्यवहार तय होता है।

भारत में वित्तीय समावेशन की नीतियों के अंतर्गत बैंक शाखा नेटवर्क के विस्तार को उन क्षेत्रों तक ले जाना जहां बेंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं नहीं पहुंची हैं या सीमित दायरों तक पहुंची हैं, समाज के ऐसे वर्गों को ऋण प्रवाह प्रदान करना जो क्रेडिट बाजारों की ऋण सुविधाओं से वंचित रह गए हैं, अग्रणी बैंक योजना का शुभारंभ, स्वयं सेवी समूहों और संयुक्त देयता समूहों (जेएलजी) को बढ़ावा देना, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और बुनियादी बचत बैंक जमा खातों (बीएसबीडीए) की शुरुआत करना शामिल हैं जिसका उद्देश्य व्यापार प्रतिनिधियों के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाना है।

प्रधान मंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) कार्यक्रम का शुभारंभ एक ऐतिहासिक क्षण था जिसे प्रत्येक हाउसहोल्ड को और उसके बाद बैंकिंग सुविधाओं से रहित प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को बैंक खातों तक पहुंच प्रदान करने के लिए प्रारंभ किया गया था। पीएमजेडीवाई की घोषणा प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2014 को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में की थी। 28 अगस्त 2014 को कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने गरीबों के लिए इस अवसर को गरीबी के दुष्चक्र से मुक्ति का जश्न मनाने के उत्सव के रूप में वर्णित किया था। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, जेएएम (जनधन, आधार और मोबाइल) की त्रयी ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव किया और सुविधाजनक, सुरक्षित, संरक्षित, पारदर्शी और किफायती तरीके से डिजिटल भुगतान को सर्वव्यापी बनाने के काम को सुगम बनाया। महामारी के दौरान जेएएम ईको-सिस्टम की सुदृढ़ता का परीक्षण हो गया था, जब 54 मंत्रालयों की 319 सरकारी योजनाओं के तहत 5.53 लाख करोड़ की धनराशि प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से कमजोर वर्गों को समय पर राहत के रूप में प्रदान की गई थी। जेएएम इको-सिस्टम के आधार पर देश ने लैंगिक अंतर को पाटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। पिछले एक दशक में महिलाओं की जमा राशि पुरुषों की तुलना में तेजी से बढ़ रही है।

समग्र प्रणाली के स्तर पर वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता और उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय क्षेत्र के सभी नियामकों द्वारा समन्वित दृष्टिकोण अपनाए जाने के संबंध में एक रोड मैप प्रदान करने के उद्देश्य से वित्तीय समावेशन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (एनएसएफआई) 2019-24 और वित्तीय शिक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (एनएसएफई): 2020-25 की शुरुआत की गई है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा एक वित्तीय समावेशन (एफआई) सूचकांक विकसित किया गया है जो वित्तीय सेवाओं के सुरक्षित और संरक्षित उपयोग में सुधार और सतत वित्तीय समावेशन की उपलब्धि की गुणवत्ता में सुधार के लिए समावेशन प्रयासों के मांग पक्ष पर अधिक से अधिक केंद्रित कारवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

भारत सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (एमएसएमई) को नकदी प्रवाह-आधारित उधार सहित ऋण देने के लिए डिजिटल सहमति के आधार पर वित्तीय डेटा साझा करने हेतु भारत एक विश्व स्तरीय भुगतान अवसंरचना विकसित करके, यूपीआई, आधार, जीएसटीएन, डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) और डिजिटल की सुविधा के लिए अकाउंट एग्रीगेटर्स (एए) जैसे डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाकर 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' की समस्या को दूर करने में अग्रणी देश रहा है। डिजिटलीकृत भूमि अभिलेखों को एकीकृत करने वाले फिनटेक सल्युशन्स किसानों को सुचारु रूप से ऋण की सुविधा प्रदान करते हैं। ग्राहकों की डिजिटल ऑनबोर्डिंग को बढ़ावा देने के लिए वीडियो आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) शुरू की गई है। खुदरा भुगतान, सीमा-पार भुगतान और एमएसएमई ऋण देने के लिए आरबीआई द्वारा नियामक सैंडबॉक्स समूह (रेग्युलेटरी सैंडबॉक्स को-हॉर्ट्स) स्थापित किए गए हैं जिसका उद्देश्य जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा देना है। यह उम्मीद की जाती है कि आगे चलकर यूपीआई, ई-केवाईसी और एए की त्रिमूर्ति के द्वारा सभी के लिए अपनी आवश्यकता के अनुरूप एवं समावेशी वित्तीय सेवाएं प्राप्त करने के क्षेत्र में अगली क्रांति की शुरुआत हो।

1 दिसंबर 2022 से भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद से देश वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन पारिस्थितिकी तंत्र के आधार को गहरा बनाने के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डिजिटल पहचान, डिजिटल भुगतान और डेटा की डिजिटल सहमति-आधारित विनिमय) के महत्व को अपना मुखर समर्थन देने का प्रयास करेगा।

लेन-देन की लागत और सूचना विषमता में कमी लाकर समावेशन के लिए पारंपरिक बाधाओं को दूर करके डिजिटल नवाचार वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, विशेष रूप से एमएसएमई और छोटे और सीमांत किसानों जैसे वंचित समूहों के मामले में।

1 भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट 2020-21 का अंश 1) अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन, भूख कम करना और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण प्राप्त करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, निरंतर, समावेशी और सतत आर्थिक विकास, पूर्ण और उत्पादक रोजगार और अच्छे काम को बढ़ावा देना, लचीले बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और टिकाऊ औद्योगीकरण को बढ़ावा देना और नवाचार को बढ़ावा देना, देशों के भीतर और देशों के बीच आय असमानता को कम करना।

भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की प्रतीक साड़ी

–आइकॉनिक साड़ी–

प्रो. रूबी कश्यप सूद
वस्त्र डिजाइन
राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

साड़ी, सिलाई रहित और लपेटकर पहना जाने वाला एक विशिष्ट परिधान है, जो हर भारतीय महिला की अलमारी में निश्चित तौर पर विशेष स्थान रखता है। यह प्राचीन काल से ही धारण किये जाने वाला एक ऐसा पुरातन परिधान है, जो खुद को आधुनिक भारत में महिलाओं की प्राथमिकताओं और जीवन शैलियों में आ रहे बदलावों के अनुकूल कुशलता से ढालकर अपना चलन बरकरार रखे हुए है। साड़ी किसी महिला के जीवन के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उसे पहनने वाली महिला की उसके साथ अलग-अलग तरह की भावनाएं जुड़ी होती हैं। शहरी भारत में, साड़ी किशोरावस्था से वयस्कता की दहलीज पर कदम रखने का प्रतीक है, जब एक वयस्क युवती अपने स्कूल के विदाई समारोह में साड़ी पहनने को तत्पर होती है। साड़ी किसी दुल्हन के साजो-सामान का महत्वपूर्ण भाग होती है, और संतान के जन्म के अवसर पर भी उपहार में दी जाती है। हाथ से बनी शानदार साड़ियों को उनसे जुड़ी यादों और भावनात्मक लगाव के कारण विरासत के रूप में सहेज कर रखा जाता है, जो दादी-नानी से लेकर मां और बेटियों तक जाती हैं। गरिमापूर्ण अंदाज से बांधी गई साड़ी को पूरे भारत में आतिथ्य, विमानन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य उद्योगों में कार्यरत महिलाओं के विशिष्ट यूनिफॉर्म के रूप में भी पहचाना जाता है, जो विनम्रता, कुशलता और सुरुचि का संदेश देती है। भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की प्रतीक साड़ी राजनीति के क्षेत्र से जुड़ी नेत्रियों की भी पसंदीदा पोशाक है। बहुउपयोगी साड़ी विभिन्न अवतारों: शक्ति और श्रेष्ठता, आकर्षक और मनोहर, सुरुचिपूर्ण एवं विनम्र, और विरासत व संस्कृति का मूर्त रूप है।

'साड़ी' शब्द की उत्पत्ति दक्षिण-पश्चिमी द्रविड़ शब्द 'सायर' से हुई है। साड़ी के अन्य स्वदेशी नामों में केरल में पुडवा, तमिलनाडु में सेलाई, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश में लुगडा, उत्तर प्रदेश में लुगड़ी, उड़ीसा में सारही आदि शामिल हैं। साड़ी एक आयताकार लंबाई वाला कपड़ा होता है, जिसकी लंबाई 4 से 9 गज तक और चौड़ाई लगभग एक गज होती है। अपनी सिलाई रहित गुणवत्ता के कारण साड़ी हिंदू संस्कृति द्वारा निर्धारित शुद्धता के सिद्धांतों के अनुरूप है।

अनेक प्रकार के कपड़ों और टेक्स्चर में फ्लूइड साड़ी उपलब्ध है और इसे भारत के विभिन्न राज्यों से उपजी विभिन्न शैलियों में लपेटा (ड्रेप) जाता है। भारत की साड़ियों को क्षेत्र विशेष की विशिष्ट निर्माण तकनीक के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है। पारंपरिक साड़ियां विविध प्रकार की होती हैं, जिनमें हाथ से बुनी हुई, कशीदाकारी, रेसिस्ट-डाई या प्रिंटेड शामिल हैं। उत्कृष्ट हथकरघा साड़ियों में उत्तर प्रदेश की बनारस ब्रोकेड, पश्चिम बंगाल की जामदानी, तमिलनाडु की कांजीवरम, महाराष्ट्र की पैठाणी, गुजरात की अश्वली, मध्य प्रदेश की चंदेरी और माहेश्वरी आदि शामिल हैं। कशीदाकारी वाली साड़ियों में उत्तर प्रदेश की चिकनकारी, पश्चिम बंगाल की कांथा और कर्नाटक की इलकल कसुती साड़ी शामिल हैं। परिष्कृत रेजिस्ट-डाइड साड़ियों में गुजरात से पटोला जैसे यार्न रेसिस्ट-डाई से लेकर ओडिशा से बंधा, आंध्र प्रदेश से पोचमपल्ली से लेकर राजस्थान और गुजरात से बंधनी जैसी फैब्रिक रेजिस्ट-डाइड की आकर्षक साड़ियां हैं। इस लपेटे या ड्रेप किए जाने वाले परिधान में आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान जैसे क्षेत्रों की विभिन्न प्रकार की ब्लॉक प्रिंटेड साड़ियां की व्यापक रेंज शामिल हैं।

इस बात पर गौर करना दिलचस्प होगा कि पूरे भारत में क्षेत्रीय, जातीय और जनजातीय समुदायों से विभिन्न साड़ी शैलियों और उसे लपेटने या ड्रेप करने की विधियों की उत्पत्ति हुई है। आयताकार साड़ी को तीन भागों में विभाजित किया गया है, फील्ड, लंबाई के मुताबिक बॉर्डर और अंतिम सिरा, इसे विभिन्न तरीकों से लपेटे जाने पर यह टू-डायमेंशनल कपड़े को शानदार ढंग से एक व्यवस्थित परिधान में बदल देता है। एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी मानवविज्ञानी, शॉन्तेल बुलॉन्जे ने भारत में प्रचलित 100 से अधिक विभिन्न साड़ी लपेटने (ड्रैपिंग) की शैलियों को सूचीबद्ध किया है। ड्रैपिंग की कुछ लोकप्रिय शैलियों में निवी, जिसमें चुन्नट या प्लीट्स को सामने की तरफ टक किया जाता है और अंतिम सिरे या एंड-पीस को प्लीटेड कर बाएं कंधे पर लपेटकर पीछे की ओर लटकाया जाता है (महाराष्ट्र की काच्छा शैली, जिसमें पीछे की चुन्नट के साथ फोर्क्ड ट्राउजर जैसा प्रभाव उत्पन्न होता है, उत्तरी शैली जिसमें अंतिम सिरे या एंड-पीस को पीछे से आगे की ओर छाती को ढंकते हुए लपेटा जाता है, और द्रविड़ शैली, जिसमें कमर के चारों ओर चुन्नट को झालर की तरह लपेटा जाता है, शामिल हैं। वरिष्ठ इतिहासकार रता कपूर चिश्ती ने युवा पीढ़ी को साड़ी पहनने के प्रति आकर्षित करने के लिए साड़ी को 108 तरीकों से लपेटने की कला में महारत हासिल की है, जिससे यह गाउन, स्कर्ट या पलाज़ो की तरह दिखाई देती है।

पारंपरिक परिधान से फैशनेबल पोशाक तक की साड़ी की यात्रा भारतीय वस्त्रकारों द्वारा निर्मित अनेक साड़ियों के साथ देखी जा सकती है, जिन्होंने कपड़े, मूल्य-वर्धन, ड्रेपिंग की शैली और ब्लाउज के साथ प्रयोग किए हैं। कपड़े के आयताकार टुकड़े के साथ प्रयोग करने की काफी संभावनाएं हैं और इसमें हुए प्रभावशाली बदलावों ने युवतियों में इनके प्रति रुचि पैदा की है और वह साड़ी में सहज महसूस कर रही हैं और अपनी खुद की स्टाइल स्टेटमेंट बना रही हैं। परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण-साड़ी हमेशा शाश्वत रहेगी और दुनिया के लिए एक प्रतिष्ठित भारतीय पोशाक बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नवोन्मेषी विचारों के साथ जन-कल्याण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अधिकारियों को कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए अग्र-सक्रिय कदम उठाने के साथ जनता का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए नवोन्मेषी विचारों के साथ विभागों की कार्यशैली सरल एवं सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली पर चर्चा के उद्देश्य से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य में हरित ईधन को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वाहनों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए राज्य सरकार विद्युत चलित वाहनों को प्रोत्साहन प्रदान करेगी। प्रदेश में महत्त्वपूर्ण स्थानों का चयन कर अधिकतम संख्या में चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे ताकि

विद्युत चलित वाहन मालिकों को सुविधा प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रैफिक की बढ़ती समस्या का समाधान करने के लिए प्रदेश में रज्जुमार्ग (रोपवे) निर्मित करने और परिवहन के अन्य विकल्पों के उपयोग पर विशेष बल दिया जाएगा। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को एफसीए /एफआरए से संबधित मामलों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि सभी विकासात्मक परियोजनाएं समयबद्ध शुरू की जा सकें।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पशु पालन और कृषि विभाग को नवोन्मेषी विचारों के साथ किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि व दुग्ध आधारित आर्थिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को संबंधित विभाग के लिए ठोस योजना का खाका तैयार करने को कहा।

मुख्य सचिव आर.डी.धीमान ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि सभी अधिकारी राज्य के लोगों और प्रदेश सरकार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण से कार्य करेंगे।

बैठक में विधायक हर्षवर्धन चौहान और संजय अवस्थी, प्रधान सलाहकार सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार गोकुल बुटेल, प्रधान सचिव ओंकार शर्मा, आर.डी. नजीम, सुभासीष पन्डा और देवेश कुमार, सचिव डॉ. अजय शर्मा और राकेश कंवर, एचआरटीसी के प्रबन्ध निदेशक संदीप कुमार, निदेशक परिवहन अनुपम कश्यप, प्रधान मुख्य अरण्यपाल अजय श्रीवास्तव सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उप-मुख्यमंत्री ने आरटीडीसी के कार्यों की समीक्षा की

शिमला/शैल। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने रोपवे एवं त्वरित परिवहन विकास निगम (आरटीडीसी) के कार्यो की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री

ने निगम द्वारा कार्यान्वित की जा रही सभी परियोजनाओं और गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि रोपवे परिवहन का एक पर्यावरण हितैषी साधन है। इसके माध्यम से हिमालयी क्षेत्रों में यात्रा की दूरी को पर्याप्त रूप से कम होती है क्योंकि पहाड़ी इलाकों में एक किलोमीटर रोपवे लगभग 5-6 किलोमीटर सड़क दूरी के बराबर होता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पर्यावरण के अनुकूल, स्वच्छ और हरित परिवहन के इस साधन को बड़े पैमाने पर लागू करने की योजना है। इसके माध्यम से शहरों में भीड़-भाड़ को कम करने, छूटे हुए कस्बों में परिवहन सुविधा और पर्यटन की क्षमता को बढ़ावा प्रदान किया जाएगा। आरटीडीसी ने शिमला में इस परियोजना के लिए जमीनी स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है।

उप-मुख्यमंत्री ने आरटीडीसी को अगले पांच वर्षो में इस परियोजना का सुचारू रूप से संचालन शुरू करने के निर्देश दिए इस रोपवे परियोजना में 1546. 40 करोड़ रुपये की लागत के साथ 15 स्टेशनों को जोड़ने वाले 14.69 किलोमीटर रोपवे का नेटवर्क होगा। यह शहरी रोपवे परियोजना विश्व की अपनी तरह की दूसरी और भारत में पहली परियोजना होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार धर्मशाला और मनाली के लिए इसी तरह की शहरी रोपवे परियोजनाओं को विकसित करने की योजना बना रही है।

उप-मुख्यमंत्री ने आरटीडीसी को राज्य में ग्रामीण अधोसंरचना विकास निधि के तहत रोपवे विकास के लिए नाबार्ड के दिशा-निर्देशों को तत्काल स्वीकृति के लिए मंत्रिमण्डल की बैठक में लाने के निर्देश दिए ताकि 329 असंबद्ध बस्तियों (250 से जनसंख्या से अधिक) को संपर्क सुविधा प्रदान करने के लिए समग्र रोपवे का निर्माण करने के साथ-साथ कृषि और बागवानी उत्पादों की ढुलाई नाबार्ड आरआईडीएफ के तहत बड़े पैमाने पर की जा सके।

उन्होंने आरटीडीसी को अगले पांच वर्षो में प्रत्येक जिले में कम से कम एक रोपवे विकसित करने के निर्देश दिए ताकि राज्य में संपर्क सुविधा बढ़ाकर रोजगार सृजन के साथ-साथ पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने अधिकारियों को माता चिन्तपूर्णी मंदिर और बाबा बालक नाथ जी मंदिर के लिए रोपवे विकसित करने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश भी दिए।

बैठक में प्रधान सचिव परिवहन आर.डी. नजीम, आरटीडीसी के निदेशक अजय शर्मा, आरटीडीसी के मुख्य महाप्रबंधक रोहित ठाकुर और निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नैक टीम ने किया धर्मशाला कॉलेज का निरीक्षण

शिमला/शैल। राजकीय पीजी डिग्री कॉलेज धर्मशाला के निरीक्षण को पहुंची राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं

प्रत्यायन परिषद (नैक) की तीन सदस्यीय पीयर टीम ने कॉलेज का दौरा कर व्यवस्थाएं परखीं। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र के पूर्व प्रभारी कुलपति प्रोफेसर पंडित पलादे की अगुवाई वाली नैक की इस टीम में बैनेट विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा के केमिस्ट्री विभाग के डीन प्रो. मनीष भल्ला समन्वयक सदस्य और अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग बंगलूरु के प्रिंसिपल डॉ. श्रीराम देवनाथन सदस्य के रूप में शामिल हैं।

नैक टीम ने दिनभर कॉलेज की एक-एक व्यवस्था का निरीक्षण किया और कॉलेज की ग्रेडिंग के लिए सभी बिंदुओं पर सिलसिलेवार जायजा लिया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के प्रभारी रजनीश दीवान ने नैक मानक के अनुसार कॉलेज की उपलब्धियों के बारे में विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया।

नैक पीयर टीम ने कॉलेज परिसर में विभिन्न विभागों, गठित इकाईयों व क्लबों समेत कॉलेज में विकसित 'पीस जोन' का दौरा भी किया। निरीक्षण के बाद त्रिगर्त सभागार में सांस्तिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुति देकर पीयर टीम को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस मौके महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. चन्द्र कुमार ने सामयिक अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की

शिमला/शैल। ज्वाली से विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रो. चन्द्र कुमार ने राजभवन में आयोजित

एक गरिमापूर्ण समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर की उपस्थिति में विधानसभा के सामयिक अध्यक्ष (प्रोटेम अध्यक्ष) पद की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री भी उपस्थित थे।

प्रधान सचिव सामान्य प्रशासन भरत खेड़ा ने कार्यवाही का संचालन किया।

विधायकगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव आर.डी. धीमान, राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और प्रो. चन्द्र कुमार के परिवार के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

शिमला/शैल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर के सहयोग से विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी संस्थान, एच. पी. यूनिवर्सिटी, 'सॉफ्ट कंप्यूटिंग: सिद्धांत और अनुप्रयोग (SoCTA 2022) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन सत्र 16 दिसंबर 2022 को एच.पी. विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. ज्योति प्रकाश प्रो वाइस चांसलर (एच.पी. यूनिवर्सिटी), गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. अरविंद भट्ट डीन इंजीनियरिंग (एच.पी.विश्वविद्यालय), और प्रो. पी. एल. शर्मा, निदेशक यूआईटी (एचपी विश्वविद्यालय) शामिल रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. ज्योति प्रकाश ने कहा कि इन सम्मेलनों से विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में काम करना और हाल की प्रगति, विकास के बारे में खुद को अपडेट करने का प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों का सामना करना चाहिए और समाज के लिए लाभ के लिए काम करना चाहिए।

सम्मानित अतिथि प्रो. अरविंद भट्ट डीन इंजीनियरिंग ने सॉफ्ट कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हाल के विकास के बारे में बात की और साथ ही यूआईटी के सभी प्रतिभागियों और छात्रों को अभिनव और उद्यमशील होने के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक यूआईटी प्रो. पी. एल शर्मा ने श्रोताओं को SoCTA-2022 की थीम से संबोधित किया। प्रो. शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन सॉफ्ट कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। प्रो. शर्मा ने सभी को देश भर में विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञता के साथ उत्पादक बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया और यूआईटी, एचपीयू शिमला के ग्रीन कैंपस में सुखद समय बिताने की कामना की।

प्रो. जे. सी. बंसल ने अपने संबोधन में सॉफ्ट कंप्यूटिंग का संक्षिप्त परिचय दिया और जोर दिया अगले SoCTA 2023 सम्मेलन में नैतिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल किया जाना चाहिए। प्रो. गौरव माणिक ने सम्मेलन के समन्वयकों को बधाई दी। उन्होंने इसका उल्लेख किया स "ट कंप्यूटिंग, एआई, डाटा साइंस जैसे विषय विभिन्न क्षेत्रों में अपने पंख फैला रहे हैं। यह सम्मेलन अकादमिक और उद्योग में काम करने वाले शोधकर्ताओं के लिए एक बड़ा अवसर है। प्रो. कालिया ने अपने संबोधन में युवाओं को शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन कार्यक्रम का समापन संयोजक डॉ. संजय शर्मा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र के बाद विशिष्ट अतिथि डॉ. जगदीश चंद बंसल साउथ एशियन यूनिवर्सिटी नई दिल्ली ने सॉफ्ट कंप्यूटिंग के क्षेत्र में हालिया प्रगति और प्रवृत्तियों के बारे में अवगत कराया। इसके अलावा विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों के चार तकनीकी सत्र भी दिन के मुख्य आकर्षण थे।

प्रदेश की कांग्रेस सरकार राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित करेगी: मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भारतीय युवा कांग्रेस तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का आहवान किया कि वह परिश्रम के साथ अनुशासित होकर सतत कार्य करें ताकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पुन: राष्ट्र एवं विभिन्न राज्यों में स्थापित हो सके। सुखविंदर सिंह सुक्खू नई दिल्ली में भारतीय युवा कांग्रेस तथा भारतीय राष्ट्रीय

छात्र संगठन द्वारा उन्हें सम्मानित करने के अवसर पर आयोजित अभिनंदन समारोहों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हमारे सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता निराशा त्यागकर पूर्ण ऊर्जा एवं समर्पण के साथ जन-जन तक कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय नीतियों को पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भविष्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का है और सभी को पूर्व की हार से सबक लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संघर्ष की भठी में तप कर ही स्वर्ण कुंदन बनता है और आज का संघर्ष ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सुदृढ़ भविष्य की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि संघर्ष करने की क्षमता रखने वाला ही चुनौतियों को पार कर सकता है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि यह कांग्रेस की विचारधारा ही है जिसने एक आम कार्यकर्ता को महाविद्यालय के कक्षा प्रतिनिधि से हिमाचल प्रदेश कांग्रेस समिति, भारतीय युवा कांग्रेस तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के अध्यक्ष के उपरांत हिमाचल का मुख्यमंत्री पद सौंपा। उन्होंने कहा कि वह भारतीय युवा कांग्रेस तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यालयों में अपने राजनीतिक जीवन के आरंभ को नमन करने आये हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि अपनी शुरुआत और जड़ों को कभी न भूलें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जहां अपने सभी वायदे पूरे करेगी वहीं जन-जन को पारदर्शी, संवेदनशील एवं साफ- सुथरा प्रशासन प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने इस अवसर पर अपने राजनीतिक जीवन की यादें भी साझा की।

विधायक अनिरुद्ध सिंह, इंद्र दत्त लखनपाल, रोहित ठाकुर, सुंदर सिंह ठाकुर, संजय रत्न, संजय अवस्थी, सुरेश कुमार, केवल सिंह पठानिया, भुवनेश्वर गौड़, अजय सोलंकी, राम कुमार चौधरी, कुलदीप राठौड़, नीरज नैयर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता अलका लांबा, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास, संयुक्त सचिव कृष्णा अलावेरू, महासचिव कोकोपाड़ी, सचिव अमित पठानिया, युवा कांग्रेस के हिमाचल प्रभारी विनीत कंबोज, हिमाचल युवा कांग्रेस के अध्यक्ष निगम भंडारी, दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चौधरी, प्रदेश कांग्रेस के सचिव संदीप कुमार, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राज्य अध्यक्ष दीपक राठौर, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज नंदन, पूर्व अध्यक्ष रोहित चौधरी, एनएसयूआई दिल्ली के अध्यक्ष अनिल चौधरी, भारतीय युवा कांग्रेस तथा भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हुए कोरोना पॉजिटिव

शिमला/शैल। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू नई दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव पाये गये हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री का नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट का कार्यक्रम था, जिसे स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं हैं और एहतियात के तौर पर उन्होंने खुद को क्वारंटीन कर लिया है। उनके सभी प्रस्तावित कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री के 21 से 24 दिसम्बर तक के सभी कार्यक्रम स्थगित

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नई दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव आने के पश्चात उनके 21 से 24 दिसम्बर, 2022 तक के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं।

नरेश चौहान ने कहा कि धर्मशाला में 21 दिसम्बर को आयोजित की जाने वाली 'आभार रैली' भी स्थगित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार धर्मशाला में 22 से 24 दिसम्बर तक आयोजित होने वाला विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों की नई तिथियां शीघ्र निर्धारित की जाएंगी।

उप-मुख्यमंत्री ने विभागीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की

शिमला/शैल। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जल शक्ति तथा परिवहन विभाग के कार्यो की समीक्षा की, जिनमें दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

जल शक्ति विभाग की बैठक को सम्बोधित करते हुए उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पूर्ण समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ अपने कार्यो का निवर्हन करें और प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में निरन्तर प्रयासरत रहें।

बैठक में विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

बैठक में सचिव जल शक्ति अमिताभ अवस्थी, विभाग के प्रमुख अभियन्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इसके उपरान्त, उप-मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभागीय कार्यप्रणाली व विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन सुविधा को और सुलभ एवं सुगम बनाने की दिशा में एक नई सोच एवं ऊर्जा के साथ कार्य करने पर बल दिया।

बैठक में प्रधान सचिव परिवहन आर.डी. नज़ीम, निदेशक परिवहन अनुपम कश्यप, हिमाचल पथ परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक संदीप कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मनाया 16वां स्थापना दिवस

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट कार्यालय में 16वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक डा. अजय कुमार शर्मा ने पॉवर

कॉर्पोरेशन का झण्डा फहराया। स्थापना दिवस के अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की शपथ भी दिलवाई।

उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि निगम हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण कर ऊर्जा उत्पादन द्वारा प्रदेश की समृद्धि में कार्यरत है। वर्ष 2022 हमारे लिए उपलब्धि भरा रहा है। इस वर्ष हमने बहुत प्रतीक्षित चंबा जिले में बनने वाली 48 मेगावाट क्षमता की चांजू-3 जल विद्युत परियोजना और 30.5 मेगावाट क्षमता की देवथल- चांजू जल विद्युत परियोजना के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित की और इसी माह 48 मेगावाट क्षमता की चांजू-3 जल विद्युत परियोजना के लिए सिविल पैकेज-1 और 2 के कार्य आबंटित किए हैं। इन दोनों परियोजनाओं का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 13 अक्तूबर, 2022 को चम्बा से किया गया। ये दोनों जल विद्युत परियोजनाएं फ्रेंच डेवलपमेंट एजेंसी एएफडी (AFD) से वित्तपोषित हैं, जिसके लिए भारत सरकार के साथ 80 मिलियन यूरो का समझौता ज्ञापन पहले ही हो चुका है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन की 281 मेगावाट क्षमता की 4 परियोजनाएं परिचालनाधीन चरण में हैं। तीन परिचालनाधीन जल विद्युत परियोजनाओं और एक सौर परियोजना से इस वर्ष अच्छा विद्युत उत्पादन हुआ है, जिससे निगम को बढ़िया राजस्व प्राप्त हुआ है। 580 मेगावाट क्षमता की 2 परियोजनाएं क्रमश: काशंग स्टेज-2 और-3 जल विद्युत परियोजना (130 मेगावाट) और शोंगटोंग कड़छम जल विद्युत परियोजना (450 मेगावाट) का कार्य निर्माणाधीन चरण में है। शोंगटोंग कड़छम का निर्माण कार्य इस वर्ष संतोषजनक गति से अग्रसर हुआ है।

डॉ. अजय कुमार शर्मा ने कहा कि 40 मेगावाट क्षमता की रेणुका जी बांध परियोजना के निर्माण के लिए भी पिछले एक वर्ष में गति आई है। यह परियोजना भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय की तकनीकी एडवाइजरी कमेटी द्वारा पहले ही अनुमोदित की जा चुकी है। हरित ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के लिए 200 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए निगम दृढ़संकल्प है। इसके लिए 720 करोड़ रूपये की राशि वर्ल्ड बैंक के सहयोग से प्राप्त होगी, जिसके लिए वित्तीय संस्था ने हामी भर दी है। 191 मेगावाट क्षमता की थाना प्लॉन जल विद्युत परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भारत सरकार के केंद्रीय विद्युत आयोग ने अनुमोदित कर दी है और और इस परियोजना को भी हम निर्माण चरण में ले जाने के लिए प्रयासरत है।

हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन ने अपनी पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन योजना और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पॉलिसी बनाई है, जिसका अनुपालन सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं में किया जा रहा है। इस अवसर पर मुकेश रेपस्वाल निदेशक कार्मिक एवं वित्त, सुरेंदर कुमार निदेशक सिविल, राकेश चंद नेगी डीजीएम इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्ट एवं अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

शिकायतों के समाधान के लिए सुशासन सप्ताह में भाग लेने का अनुरोध

शिमला/शैल। सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं शिकायत निवारण सी. पॉलरासू ने बताया कि 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के दृष्टिगत प्रदेश में 19 से 25 दिसंबर, 2022 तक भारत सरकार एवं प्रदेश के प्रशासनिक सुधार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सुशासन सप्ताह के तहत 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर' के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान 'सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर' अभियान के उत्सव के लिए सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग के साथ सुशासन को बढ़ावा देना है। सभी उपायुक्त जनता की शिकायतों के समाधान और बेहतर सेवा वितरण के लिए तहसील मुख्यालय और पंचायत समितियों आदि में विशेष शिविर और कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

उन्होंने बताया कि उपायुक्त 23 दिसंबर, 2022 को जिले में एक प्रसार कार्यशाला आयोजित करेंगे, जिसमें जिला और तहसील स्तर पर सुशासन सम्बन्धी कार्यो का एकत्रीकरण कर 'प्रशासन गांव की ओर' पोर्टल (URL: www.pgportal.gov.in@GGW22) पर अपलोड किया जाएगा। उन्होंने आम जनता से अपनी शिकायतों के समाधान के लिए सुशासन सप्ताह में भाग लेने का अनुरोध किया है।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177-2805015, 94180-15015 फैक्स: 2805015

सीमेन्ट उत्पादन में घाटा होना चुनाव परिणामों के बाद ही क्यों सामने आया?

हेल्सिम से 82000 करोड़ में खरीद के समय सरकार को कोई टैक्स क्यों नहीं मिला? प्रशासन इस खरीद पर खामोश क्यों रहा? प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा 2016 में लगाये गये जुर्माने की भरपाई कौन करेगा? क्या यह तालाबन्दी सरकार को अस्थिर करने का पहला प्रयोग है?

शिमला/शैल। क्या अदानी समूह द्वारा अंबुजा और एसीसी सीमेन्ट

कारखानों को अचानक बन्द कर देना कोई साजिश है? यह सवाल इसलिये खड़ा हो रहा है कि प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणाम 8 दिसम्बर को आये जिसमें भाजपा हार गयी और सता कांग्रेस को मिल गयी। इन परिणामों के बाद अदानी समूह ने सरकार के गठन से पहले ही सीमेन्ट के रेट बढ़ा दिये। यह रेट बढ़ाये जाने पर सरकार और जनता में रोष होना स्वभाविक था क्योंकि जनता को सरकार बदलने का ईनाम इस महंगाई के रूप में मिला। जब सरकार ने यह रेट बढ़ाये जाने का कारण पूछा तो अचानक घाटा होने का कवर लेकर इस इन सीमेन्ट कारखानों को बिना किसी पूर्व सूचना के बन्द कर दिया गया। कारखाने अचानक बंद कर दिये जाने से हजारों लोग एकदम प्रभावित हुये हैं क्योंकि जो लोग यहां पर नौकरी कर रहे थे उनकी नौकरी पर अचानक प्रश्न चिन्ह लग गया है। सीमेन्ट के उत्पादन से लेकर इसकी ढुलाई तक के काम में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हजारों लोग प्रभावित हो गये हैं। एक तरह से अराजकता का माहौल पैदा हो गया है। उत्पादन बन्द कर दिये जाने से सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य प्रभावित हुये हैं। सीमेन्ट की ढुलाई में लगे ट्रकों के पहिये एकदम रुक गये हैं। ट्रक यूनियनों और कंपनी प्रबन्धन में हो रही वार्ताएं हर रोज विफल हो रही है। प्रशासन एक तरह से लाचारगी का शिकार हो गया है। कंपनी प्रबन्धन सीमेन्ट उत्पादन में घाटा होने का कवर लेकर ट्रकों से भाड़ा कम करने की मांग कर रहा है तो ट्रक ऑपरेटर तेल की कीमतें बढ़ने और उसी के कारण रखरखाव के दाम बढ़ने का तर्क देकर भाड़ा कम करने में असमर्थता व्यक्त कर रहे हैं। सुक्खू सरकार जनता से रोजगार बढ़ाने के दावा करके आयी है। इस तालाबन्दी से लगे हुये रोजगार पर ही संकट खड़ा हो गया है।

यहां पर यह समझने और ध्यान देने का प्रशन है कि अदानी समूह ने इसी वर्ष अंबुजा और ए सी सी सीमेन्ट स्विट्जरलैण्ड की कंपनी होल्सिम से 82000 करोड़ में खरीदी है। इस सौदे के बाद होल्सिम के सी.ई.ओ. जॉन जेनिश (Jan Jenisch) ने अपने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा है कि यह लेनदेन टैक्स फ्री है और इस सौदे से उन्हें 6.4 अरब स्विस फ्रैंक की शुद्ध आय हुई है। होल्सिम अंबुजा और ए सी सी में किसी भी नुकसान या कर के लिये जिम्मेदार नहीं होगा। ऐसे में यह सवाल उठना स्वभाविक है कि क्या इस सौदे में देय करों के लिये अदानी समूह जिम्मेदार होगा। अदानी की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है। बल्कि राज्य सरकार भी इस पर आज तक खामोश है। प्रधानमंत्री और अदानी के रिश्ते जगजाहिर है? क्या इन रिश्तों के चलते जयराम सरकार और प्रशासन चुप रहा है। क्योंकि अंबुजा को जमीन तो सरकार ने दी है। क्या जमीन देने के साथ ही सरकार के सारे अधिकार समाप्त हो गये हैं? क्योंकि इस 82,000 करोड़ के सौदे में सरकार को टैक्स के रूप में एक पैसा तक नहीं मिला है। यही नहीं 2016 में प्रतिस्पर्धा आयोग ने अंबुजा को 1164 करोड़ और ए सी सी को 1148 करोड़ का जुर्माना लगाया था। इस जुर्माने को अपीलीय कोर्ट में चुनौती दी गयी थी और वहां से हारने के बाद अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। स्वभाविक है कि यह जुर्माना लगने के कारण इन कंपनियों द्वारा कुछ अनियमितताएं करना रहा होगा। लेकिन इस पर राज्य सरकार का चुप रहना कई सवाल खड़े करता है क्योंकि कंपनियां ऑपरेट तो हिमाचल में ही कर रही थी।

इस परिदृश्य में यह सवाल उठना स्वभाविक है कि जब अदानी ने 82000 करोड़ में यह खरीद की तो क्या उस समय सीमेन्ट उत्पादन से लाभ-हानि होने का उसे कोई ज्ञान नहीं हुआ होगा। अचानक चुनाव परिणाम आने के बाद ही घाटा क्यों सामने आया? अदानी समूह का आचरण सेब खरीद में भी सवालों में रहता आया है। अदानी के प्रदेश में तीन सी ए स्टोर हैं। सरकार की शर्तो के मुताबिक इन स्टोरों में 20% जगह स्थानीय बागवानों के लिये सुरक्षित रखने का नियम है। लेकिन इस नियम की अनुपालन नहीं हो रही है। इस पर भी सरकार खामोश रही है। सौर ऊर्जा में भी अदानी का एकछत्र साम्राज्य है। ऐसे में यदि अदानी जैसा समूह आज सीमेन्ट में सरकार के लिये इस तरह की परिस्थितियां पैदा कर सकता है तो आने वाले समय में अन्य क्षेत्रों में भी यह सब कुछ घट सकता है। जब अदानी ने इन सीमेन्ट उद्योगों की खरीद की और इसमें प्रदेश को कर के रूप में कुछ नहीं मिला तब प्रशासन इस पर खामोश क्यों रहा? आज भी प्रशासन अदानी के घाटे के तर्क पर खामोश क्यों है? क्योंकि जमीन का अधिग्रहण तो सरकार ने स्थापना के समय छः हजार रूपये प्रति बीघा किया है और यह कीमतें पर तो आगे कभी बढ़ी नहीं है और यही इस उद्योग का कच्चा माल है। स्थापना के समय सौंपी गई रिपोर्ट के मुताबिक तो शायद उस समय एक बैग की कीमत 35 रूपये रही है। इसलिए आज घाटे का तर्क किसी भी आधार पर मान्य नहीं बनता है। ऐसी आशंकाएं बल पकड़ रही है कि यह तालाबन्दी सरकार को अस्थिर करने का पहला प्रयोग है।

क्या सुक्खू सरकार

.....पृष्ठ 1 का शेष

कितनी ईमानदारी से अपने ही बारे में सही स्थिति रख पायेगा। पिछली सरकार पर कांग्रेस ने अपने आरोप पत्र में कई गंभीर आरोप लगा रखे हैं। उन आरोपों पर इसी प्रशासन द्वारा कितनी इमानदारी से जांच की उम्मीद की जा सकती है। प्रशासन की इन तकनीकियों के कारण ही शीर्ष प्रशासन में तुरन्त प्रभाव से फेरबदल किये जाने की आवश्यकता होती है। लेकिन इसमें भी जितना समय लगता जा रहा है उससे इन्हीं लोगों को अपने पक्ष में लॉबिंग करने का समय मिलता जा रहा है और उसी से नई सरकार के खिलाफ साजिश की गन्ध आने लगी है।

संस्थान बंद करने

.....पृष्ठ 1 का शेष

से स्थिति रोचक हो गयी है क्योंकि सुक्खू सरकार को वित्त विभाग ने यह जानकारी दी है कि इन फैसलों की अनुपालना करने के लिये बजट ही नहीं है। जयराम ठाकुर इसमें सारी औपचारिकताएं पूरी होने का दावा कर रहे हैं और इसी आधार पर इन फैसलों को प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती देकर बदले की भावना से की जा रही कारवाई करार देना चाहते हैं। यह अपने में ही रोचक स्थिति हो जाती है कि जो वित्त विभाग इन फैसलों को बिना बजट के लिये गये करार दे रहा है उसी के सामने जयराम सरकार ने यह फैसले लिये हैं। ऐसे में किसका दावा कितना सही है इसका सच तो अदालत में ही सामने आयेगा। इसी के साथ यह भी स्पष्ट हो जायेगा कि प्रशासन राजनेताओं को कितनी सही जानकारी और राय देता है। क्योंकि जयराम शासन में बहुत सारे अधिकारियों को शीर्ष पदों पर बैठाने के लिये बहुत सारे नियमों/कानूनों को ताक पर रखवा गया था। आज यदि उन अधिकारियों द्वारा दी गयी राय और जानकारी सही नहीं निकलती है तो इसके प्रभाव दूरगामी होंगे यह तय है।